**SAI TUTORIALS**

Std.: 9 (English) | Hindi | Marks: 50

Date: 25-Sep-2022 | VEDANT, SVPV,XAVEIRS,JEROME,MARY | Time: 2 HR

Chapter: SEMESTER 1

**Q.1 परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए (new गद्य)** **16**

| | |
|---|---|
| जूलिया : | (काँपते हाथों से रूबल लेती है। काँपते ही स्वर में) जी धन्यवाद ! |
| गृहस्वामी : | (अपना गुस्सा नहीं सँभाल पाता, ऊँचे स्वर में लगभग चिल्लाते हुए) तुम ... तुम मुझे धन्यवाद दे रही हो जूलिया ? जबकि तुम अच्छी तरह जानती हो कि मैंने तुम्हें ठग लिया है... तुम्हें धोखा दिया है ... तुम्हारे पैसे हड़प लिए हैं ... और तुम ... तुम इसके बावजूद मुझे धन्यवाद दे रही हो ! (गुस्से में आवाज काँपने लगती है।) |
| जूलिया : | जी हाँ मालिक ... |
| गृहस्वामी : | (गुस्से से तुतलाने लगता है) 'जी हाँ मालिक ! जी हाँ मालिक ! ... क्यों ? क्यों जी हाँ मालिक ....' |
| जूलिया : | (डर जाती है भयभीत स्वर में) क्योंकि इससे पहले मैंने जहाँ-जहाँ काम किया, उन लोगों ने तो मुझे एक पैसा तक नहीं दिया ... आप कुछ तो दे रहे हैं। |
| गृहस्वामी: | (क्रोध के कारण काँपते, उत्तेजित स्वर में) उन लोगों ने तुम्हें एक पैसा तक नहीं दिया जूलिया, मुझे ये बात जानकर जरा भी आश्चर्य नहीं हो रहा है ... (स्वर धीमा कर) जूलिया, मुझे इस बात के लिए माफ कर देना कि मैंने तुम्हारे साथ एक छोटा-सा क्रूर मजाक किया ... पर मैं तुम्हें सबक सिखाना चाहता था। देखो जूलिया, मैं तुम्हारा एक पैसा नहीं मारूँगा... (जेब से निकाल कर) ये हैं तुम्हारे अस्सी रूबल। ... मैं अभी इन्हें तुम्हें दूँगा ... लेकिन इससे पहले मैं तुमसे कुछ पूछना चाहूँगा- 'जूलिया, क्या ये जरूरी है कि इनसान भला कहलाने के लिए, इतना दब्बू, भीरु और बोदा बन जाए कि उसके साथ जो अन्याय हो रहा है, उसका विरोध तक न करे ? बस, खामोश रहे और सारी ज्यादतियाँ सहता जाए ? नहीं जूलिया, नहीं ... इस तरह खामोश रहने से काम नहीं चलेगा। अपने को बचाए रखने के लिए, तुम्हें इस कठोर, क्रूर, निर्मम और हदयहीन संसार से लड़ना होगा। अपने दाँतों और पंजों के साथ लड़ना होगा पूरी शक्ति के साथ ... मत भूलो जूलिया, इस संसार में दब्बू और रीढ़रहित लोगों के लिए कोई स्थान नहीं है.. कोई स्थान नहीं है ..।' |

मेरे अपहरण का कारण जानने से पहले यह जान लें कि ये लोग चिकित्साशास्त्र में बहुत पिछड़े हुए हैं । यह एक ऐसा ग्रह है, जहाँ विज्ञान अपनी चरम सीमा को पहुँच चुका है । यहाँ के आदमी अब आदमी नहीं मशीन हो गए हैं । यहाँ का सारा काम मशीनों से ही होता है और इसका नतीजा यह हुआ कि धीरे-धीरे आदमी का महत्त्व कम होता गया । अब इस पूरे ग्रह में मशीनें ज्यादा और आदमी कम हैं । जो लोग हैं, वे मशीनों के गुलाम हैं । दूसरी ओर यहाँ के लोगों को एक विचित्र तरह का सड़न रोग होने लगा है । शरीर का कोई अंग अचानक सड़ना शुरू हो जाता है और फिर वह आदमी मर जाता है । इस रोग का इलाज इन्हें अब तक नहीं मालूम हो सका है । लेकिन इस रोग का कारण वे मशीनें ही हैं जो इन्हें नकारा बनाए हुए है । यहाँ के वैज्ञानिकों ने मेरे बारे में सुना । इन्होंने सोचा कि क्यों न मुझे यहाँ बुलाया जाए । तब कोई ऐसी तरकीब सोची जाए कि सड़ा हुआ अंग काटकर उसके स्थान पर दूसरा अंग लगा दिया जाए । बस इसी कारण मेरा अपहरण हुआ है । आज मैं यहाँ बैठकर सोच रहा हूँ कि हमारी पृथ्वी पर भी विज्ञान तेजी से उन्नति कर रहा है । उद्योगों के विकास से मशीनों की संख्या बढ़ रही है । मशीनों और कारखानों से वातावरण दूषित हो रहा है । वह सब अगर जारी रहा और ज्यादा मात्रा में हुआ तो पृथ्वी पर भी ऐसे ही दिन आने में देर नहीं लगेगी । आज भी पृथ्वी पर कैंसर, दिल की बीमारियाँ, तनाव के कारण होने वाली बीमारियाँ, ब्लड शूगर आदि उस भविष्य का संकेत हैं । इस ग्रह के लोग इन सभी मुसीबतों से गुजर चुके हैं लेकिन इन पर ध्यान नहीं दिए । अब स्थिति यह है कि अगर तुरंत कोई उपाय न किया गया तो शायद यहाँ से इन्सानों का नामो-निशान मिट जाएगा । बस यहाँ होंगी ऊँची इमारतें, बड़े-बड़े कारखाने चिमनियाँ और दैत्याकार मशीनें ।

**Q.2 पठित पद्यांश का सूचना के अनुसार विश्लेषण कीजिए।** **12**

1 क्या हार में क्या जीत में
किंचित नहीं भयभीत मैं
संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी सही वह भी सही ।
वरदान माँगूँगा नहीं ।।

1) प्रस्तुत पद्यांश के कवि का नाम क्या है ?
2) कविता की विधा क्या है ?
3) इस कविता में आपका पसंदीदा व्यक्ति कौन है ?
4) पसंद व्यक्ति के पसंदीदा होने का कारण लिखिए ।
5) कविता से प्राप्त संदेश लिखिए ।

2 किताबें झाँकती हैं बंद अलमारी के शीशों से,
बड़ी हसरत से तकती हैं ।
महीनों अब मुलाकातें नहीं होतीं,
जो शामें उनकी सोहबत में कटा करती थीं
अब अक्सर ........

1) प्रस्तुत पद्यांश के कवि का नाम क्या है ?
2) कविता की विधा क्या है ?
3) इस कविता में आपका पसंदीदा व्यक्ति कौन है ?
4) पसंद व्यक्ति के पसंदीदा होने का कारण लिखिए ।
5) कविता से प्राप्त संदेश लिखिए ।

**Q.3 परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए - (पद्य पूरक पठन)** **4**

1 1) कृति पूर्ण कीजिए - 2

1. जो राम भजन बिन कभी न सोता वह हैः-

2. सही पर्याय लिखोः-

अति __________ है रंग रँगीलो।

(सुरंग, बेरंग, तरंग)

अति सुरंग है रंग रँगीलो । है गुणवंत बहुत चटकीलो।।
राम भजन बिन कभी न सोता। क्यों सखि साजन ? ना सखि तोता।।

2) स्वमत अभिव्यक्ति – 2

तोते की विशेषताओं का वर्णन अपने शब्दों में करो।

**Q.4 परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए - (गद्य पूरक पठन)** **4**

1 1) **कृति पूर्ण कीजिए -** 2

i. कबीर जी के अनुसार आराम जिसको नहीं है वे – ☐
ii. पद्य में प्रयुक्त समान तुकवाले शब्द – ☐

ज्ञान का गेंद कर सुर्त का डंड कर
खेल चौगान-मैदान माँही।
जगत का भरमना छोड़ दे बालके
आय जा भेष-भगवंत पाहीं ।।

अवधू, अच्छरहूँ सों न्यारा।
जो तुम पवना गगन चढ़ाओ, गुफा में बासा।
गगना- पवना दोनों बिनसैं, कहँ गया जोग तुम्हारा।।
गगना-मद्धे जोती झलके, पानी मद्धे तारा।
घटिगे नींर विनसिने तारा, निकरि गयौ केहि द्वारा।

2) **स्वमत अभिव्यक्तिः-** 2

**Q.5 वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए** **2**

1 हमारी सैनिक बहुत बहादुरी से सामना की |

2 इस आंदोलन का देश पर असर पड़ेगी |

**Q.6 पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए (औपचारिक)** **5**

1 अपने प्रधानाध्यापक महोदय के नाम सात दिनों की छुट्टी हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए|

**Q.7 निबंध लेखन** **7**

1 एक फटी पुरतक की आत्मकथा